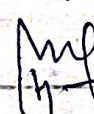


29.11.24

उभयपक्ष उपस्थित। उभयपक्ष को वाजप 90 पत्र पर सुना गया। वकील शर्मा का कथन है कि उक्त अपील में 11/8/24 तारीख नियत थी। कि 11/8/24 को वकील शर्मा ने सहवन से आठ पेशी 20/9/24 अपनी दायरी में अंकित कर ली। परन्तु गलत फरमी में दि 11/8/24 को न तो शर्मा न ही अपीलॉर अधि० कोर्ट में उपस्थित हो सके। अपीलॉर दि 11/8/24 को पानकूसकर और एषिर अदालत नहीं हुये बकि भारी बस्तात एवं वृद्ध होने की वजह से अदालत एषिर नहीं हो सके। शर्मा मुकदमें को पूर्ण तललीनग से लट रहा है एवं गुण-अवगुण पा निस्तारण करना चाहते हैं। अतः वाजप 90 पत्र को स्वीकार किया जाकर मूल अपील को मेरिट पा निस्तारण किये जाने का निवेदन किया।

वकील शर्मा का कथन है कि वाजप 90 पत्र शीव 20 दिन की डेरी से उत्तुत किया है। अतः खारिज फरमाया जावे।

हमने प्रावली की अवलोकन किया। बहुत उभयपक्ष पा मनन किया। चूँकि मूल अपील का निस्तारण (मेरिट पा करना ही उचित है अतः ज्यादा के फिदु पा नरम रुख अपनाते हुये वाजप 90 पत्र 20/9/24 कोर्ट पा स्वीकार किया जाकर है। मूल अपील पुनः नंबर पा ली गयी है। वाजप 90 पत्र फेसल शुमार की जाकर नंबर से कम की जावे। वाद-जाबत खविल-वफतर हो।


शु प्रबन्ध अधिकारी
पदेन
राजस्व अपील प्राधिकारी
भरतपुर (राज.)